

# KYRKJEBLADE

FOR VAKSDAL PRESTEGJELD

Nr. 7/8

JUL/AUGUST 1986

40. årg.



"ÆRE VERE GUD I DET HØGSTE, OG FRED PÅ JORDA  
BLANT MENNESKE SOM GUD HAR HUGNAD I!" Lk.2,14

jorda, for det er ved Jerusalæm den store skal du sverre, du kan ikke vitt eller svart. g et nei vera enn den er av

*Ære av menneske – ære av Gud*

**MATTEUS 6**

6 Akta dykk at de ikke gjør dei gode gjerningane dykkar for augo på folk, så dei skal leggja mer til det. Då får dei inga løn. men frels oss frå det onde, og makte.

*[For riket er ditt, og makte]*

## FORLAT OSS VÅR SKYLD SOM VI OG FORLATER VÅRE SKYLDNERE

Tenk at vi skal få lov å gå inn i julen med en slik bønn. Tenk om vi isteden måtte be "du Jesus husker sikkert noe bra jeg har gjort i året som gikk, jeg har vært ganske snill". Det er slik ungene sier til julenissen. Og det er derfor vi ikke bryr oss om å ha julenisse hjemme hos oss.

Julen roper jo til oss om en gave vi skal få uten å ha fortjent den. Gaven heter Jesus. Gaven heter tilgivelse. Gaven heter evig liv. Gratis. Men Jesus akk hvor går det til at dog så få betenke vil den store store kjærighet som drog deg til vår jammer ned?

Nå vil i allfall vi tenke på den, på Jesu utstrakte hånd. Er det noen snille barn her? spør julenissen. Er det noen her som trenger tilgivelse? spør Jesus.

Ja, her er jeg. Jeg trenger tilgivelse for utaknemligheten, for bitterheten som satte seg fast i meg, for ordene jag såret en annen med, for tankene mine.

Nå er det tilgitt. Ja, for du sa det jo til Jesus, det som står i linjene foran. Si det gjerne høyt en gang til, da, hvis du leste det for fort i sta.

Det er fantastisk å få gå julen i møte med tilgitte synder. Livet byr ikke på mindre motgang av den grunn, men nå ser du målet. Hvor er vel glede slik som opp i himmerik. Jul er Jesus som innbyr oss til himmelen.

Skulle ikke vi da kunne innby noen ved at vi er slike som vil tilgi andre? Å feire jul er også å få Jesu hjelp til å lege bort bitterheten. Nå har du sjansen til å ta kontakt med en du har snudd deg vekk fra. Kanskje du var i din fulle rett, kanskje burde den andre bedt deg om tilgivelse først. Men det står ikke slik i bønnen. Det står det at like gratis som Jesus tilgir deg, skal du tilgi en annen. Å drag oss ganske til deg hen du store milde sjellevenn så vi i troen favner deg og følger på din himmelvei. Amen.

Øyvind Hartberg

4.13  
6.13  
6.14  
6.15  
6.16  
6.17  
6.18  
6.19  
6.20  
6.21  
6.22  
6.23  
6.24  
6.25  
6.26  
6.27  
6.28  
6.29  
6.30  
6.31  
6.32  
6.33  
6.34  
6.35  
6.36  
6.37  
6.38  
6.39  
6.40  
6.41  
6.42  
6.43  
6.44  
6.45  
6.46  
6.47  
6.48  
6.49  
6.50  
6.51  
6.52  
6.53  
6.54  
6.55  
6.56  
6.57  
6.58  
6.59  
6.60  
6.61  
6.62  
6.63  
6.64  
6.65  
6.66  
6.67  
6.68  
6.69  
6.70  
6.71  
6.72  
6.73  
6.74  
6.75  
6.76  
6.77  
6.78  
6.79  
6.80  
6.81  
6.82  
6.83  
6.84  
6.85  
6.86  
6.87  
6.88  
6.89  
6.90  
6.91  
6.92  
6.93  
6.94  
6.95  
6.96  
6.97  
6.98  
6.99  
6.100  
6.101  
6.102  
6.103  
6.104  
6.105  
6.106  
6.107  
6.108  
6.109  
6.110  
6.111  
6.112  
6.113  
6.114  
6.115  
6.116  
6.117  
6.118  
6.119  
6.120  
6.121  
6.122  
6.123  
6.124  
6.125  
6.126  
6.127  
6.128  
6.129  
6.130  
6.131  
6.132  
6.133  
6.134  
6.135  
6.136  
6.137  
6.138  
6.139  
6.140  
6.141  
6.142  
6.143  
6.144  
6.145  
6.146  
6.147  
6.148  
6.149  
6.150  
6.151  
6.152  
6.153  
6.154  
6.155  
6.156  
6.157  
6.158  
6.159  
6.160  
6.161  
6.162  
6.163  
6.164  
6.165  
6.166  
6.167  
6.168  
6.169  
6.170  
6.171  
6.172  
6.173  
6.174  
6.175  
6.176  
6.177  
6.178  
6.179  
6.180  
6.181  
6.182  
6.183  
6.184  
6.185  
6.186  
6.187  
6.188  
6.189  
6.190  
6.191  
6.192  
6.193  
6.194  
6.195  
6.196  
6.197  
6.198  
6.199  
6.200  
6.201  
6.202  
6.203  
6.204  
6.205  
6.206  
6.207  
6.208  
6.209  
6.210  
6.211  
6.212  
6.213  
6.214  
6.215  
6.216  
6.217  
6.218  
6.219  
6.220  
6.221  
6.222  
6.223  
6.224  
6.225  
6.226  
6.227  
6.228  
6.229  
6.230  
6.231  
6.232  
6.233  
6.234  
6.235  
6.236  
6.237  
6.238  
6.239  
6.240  
6.241  
6.242  
6.243  
6.244  
6.245  
6.246  
6.247  
6.248  
6.249  
6.250  
6.251  
6.252  
6.253  
6.254  
6.255  
6.256  
6.257  
6.258  
6.259  
6.260  
6.261  
6.262  
6.263  
6.264  
6.265  
6.266  
6.267  
6.268  
6.269  
6.270  
6.271  
6.272  
6.273  
6.274  
6.275  
6.276  
6.277  
6.278  
6.279  
6.280  
6.281  
6.282  
6.283  
6.284  
6.285  
6.286  
6.287  
6.288  
6.289  
6.290  
6.291  
6.292  
6.293  
6.294  
6.295  
6.296  
6.297  
6.298  
6.299  
6.300  
6.301  
6.302  
6.303  
6.304  
6.305  
6.306  
6.307  
6.308  
6.309  
6.310  
6.311  
6.312  
6.313  
6.314  
6.315  
6.316  
6.317  
6.318  
6.319  
6.320  
6.321  
6.322  
6.323  
6.324  
6.325  
6.326  
6.327  
6.328  
6.329  
6.330  
6.331  
6.332  
6.333  
6.334  
6.335  
6.336  
6.337  
6.338  
6.339  
6.340  
6.341  
6.342  
6.343  
6.344  
6.345  
6.346  
6.347  
6.348  
6.349  
6.350  
6.351  
6.352  
6.353  
6.354  
6.355  
6.356  
6.357  
6.358  
6.359  
6.360  
6.361  
6.362  
6.363  
6.364  
6.365  
6.366  
6.367  
6.368  
6.369  
6.370  
6.371  
6.372  
6.373  
6.374  
6.375  
6.376  
6.377  
6.378  
6.379  
6.380  
6.381  
6.382  
6.383  
6.384  
6.385  
6.386  
6.387  
6.388  
6.389  
6.390  
6.391  
6.392  
6.393  
6.394  
6.395  
6.396  
6.397  
6.398  
6.399  
6.400  
6.401  
6.402  
6.403  
6.404  
6.405  
6.406  
6.407  
6.408  
6.409  
6.410  
6.411  
6.412  
6.413  
6.414  
6.415  
6.416  
6.417  
6.418  
6.419  
6.420  
6.421  
6.422  
6.423  
6.424  
6.425  
6.426  
6.427  
6.428  
6.429  
6.430  
6.431  
6.432  
6.433  
6.434  
6.435  
6.436  
6.437  
6.438  
6.439  
6.440  
6.441  
6.442  
6.443  
6.444  
6.445  
6.446  
6.447  
6.448  
6.449  
6.450  
6.451  
6.452  
6.453  
6.454  
6.455  
6.456  
6.457  
6.458  
6.459  
6.460  
6.461  
6.462  
6.463  
6.464  
6.465  
6.466  
6.467  
6.468  
6.469  
6.470  
6.471  
6.472  
6.473  
6.474  
6.475  
6.476  
6.477  
6.478  
6.479  
6.480  
6.481  
6.482  
6.483  
6.484  
6.485  
6.486  
6.487  
6.488  
6.489  
6.490  
6.491  
6.492  
6.493  
6.494  
6.495  
6.496  
6.497  
6.498  
6.499  
6.500  
6.501  
6.502  
6.503  
6.504  
6.505  
6.506  
6.507  
6.508  
6.509  
6.510  
6.511  
6.512  
6.513  
6.514  
6.515  
6.516  
6.517  
6.518  
6.519  
6.520  
6.521  
6.522  
6.523  
6.524  
6.525  
6.526  
6.527  
6.528  
6.529  
6.530  
6.531  
6.532  
6.533  
6.534  
6.535  
6.536  
6.537  
6.538  
6.539  
6.540  
6.541  
6.542  
6.543  
6.544  
6.545  
6.546  
6.547  
6.548  
6.549  
6.550  
6.551  
6.552  
6.553  
6.554  
6.555  
6.556  
6.557  
6.558  
6.559  
6.560  
6.561  
6.562  
6.563  
6.564  
6.565  
6.566  
6.567  
6.568  
6.569  
6.570  
6.571  
6.572  
6.573  
6.574  
6.575  
6.576  
6.577  
6.578  
6.579  
6.580  
6.581  
6.582  
6.583  
6.584  
6.585  
6.586  
6.587  
6.588  
6.589  
6.590  
6.591  
6.592  
6.593  
6.594  
6.595  
6.596  
6.597  
6.598  
6.599  
6.600  
6.601  
6.602  
6.603  
6.604  
6.605  
6.606  
6.607  
6.608  
6.609  
6.610  
6.611  
6.612  
6.613  
6.614  
6.615  
6.616  
6.617  
6.618  
6.619  
6.620  
6.621  
6.622  
6.623  
6.624  
6.625  
6.626  
6.627  
6.628  
6.629  
6.630  
6.631  
6.632  
6.633  
6.634  
6.635  
6.636  
6.637  
6.638  
6.639  
6.640  
6.641  
6.642  
6.643  
6.644  
6.645  
6.646  
6.647  
6.648  
6.649  
6.650  
6.651  
6.652  
6.653  
6.654  
6.655  
6.656  
6.657  
6.658  
6.659  
6.660  
6.661  
6.662  
6.663  
6.664  
6.665  
6.666  
6.667  
6.668  
6.669  
6.670  
6.671  
6.672  
6.673  
6.674  
6.675  
6.676  
6.677  
6.678  
6.679  
6.680  
6.681  
6.682  
6.683  
6.684  
6.685  
6.686  
6.687  
6.688  
6.689  
6.690  
6.691  
6.692  
6.693  
6.694  
6.695  
6.696  
6.697  
6.698  
6.699  
6.700  
6.701  
6.702  
6.703  
6.704  
6.705  
6.706  
6.707  
6.708  
6.709  
6.710  
6.711  
6.712  
6.713  
6.714  
6.715  
6.716  
6.717  
6.718  
6.719  
6.720  
6.721  
6.722  
6.723  
6.724  
6.725  
6.726  
6.727  
6.728  
6.729  
6.730  
6.731  
6.732  
6.733  
6.734  
6.735  
6.736  
6.737  
6.738  
6.739  
6.740  
6.741  
6.742  
6.743  
6.744  
6.745  
6.746  
6.747  
6.748  
6.749  
6.750  
6.751  
6.752  
6.753  
6.754  
6.755  
6.756  
6.757  
6.758  
6.759  
6.760  
6.761  
6.762  
6.763  
6.764  
6.765  
6.766  
6.767  
6.768  
6.769  
6.770  
6.771  
6.772  
6.773  
6.774  
6.775  
6.776  
6.777  
6.778  
6.779  
6.780  
6.781  
6.782  
6.783  
6.784  
6.785  
6.786  
6.787  
6.788  
6.789  
6.790  
6.791  
6.792  
6.793  
6.794  
6.795  
6.796  
6.797  
6.798  
6.799  
6.800  
6.801  
6.802  
6.803  
6.804  
6.805  
6.806  
6.807  
6.808  
6.809  
6.810  
6.811  
6.812  
6.813  
6.814  
6.815  
6.816  
6.817  
6.818  
6.819  
6.820  
6.821  
6.822  
6.823  
6.824  
6.825  
6.826  
6.827  
6.828  
6.829  
6.830  
6.831  
6.832  
6.833  
6.834  
6.835  
6.836  
6.837  
6.838  
6.839  
6.840  
6.841  
6.842  
6.843  
6.844  
6.845  
6.846  
6.847  
6.848  
6.849  
6.850  
6.851  
6.852  
6.853  
6.854  
6.855  
6.856  
6.857  
6.858  
6.859  
6.860  
6.861  
6.862  
6.863  
6.864  
6.865  
6.866  
6.867  
6.868  
6.869  
6.870  
6.871  
6.872  
6.873  
6.874  
6.875  
6.876  
6.877  
6.878  
6.879  
6.880  
6.881  
6.882  
6.883  
6.884  
6.885  
6.886  
6.887  
6.888  
6.889  
6.890  
6.891  
6.892  
6.893  
6.894  
6.895  
6.896  
6.897  
6.898  
6.899  
6.900  
6.901  
6.902  
6.903  
6.904  
6.905  
6.906  
6.907  
6.908  
6.909  
6.910  
6.911  
6.912  
6.913  
6.914  
6.915  
6.916  
6.917  
6.918  
6.919  
6.920  
6.921  
6.922  
6.923  
6.924  
6.925  
6.926  
6.927  
6.928  
6.929  
6.930  
6.931  
6.932  
6.933  
6.934  
6.935  
6.936  
6.937  
6.938  
6.939  
6.940  
6.941  
6.942  
6.943  
6.944  
6.945  
6.946  
6.947  
6.948  
6.949  
6.950  
6.951  
6.952  
6.953  
6.954  
6.955  
6.956  
6.957  
6.958  
6.959  
6.960  
6.961  
6.962  
6.963  
6.964  
6.965  
6.966  
6.967  
6.968  
6.969  
6.970  
6.971  
6.972  
6.973  
6.974  
6.975  
6.976  
6.977  
6.978  
6.979  
6.980  
6.981  
6.982  
6.983  
6.984  
6.985  
6.986  
6.987  
6.988  
6.989  
6.990  
6.991  
6.992  
6.993  
6.994  
6.995  
6.996  
6.997  
6.998  
6.999  
6.1000  
6.1001  
6.1002  
6.1003  
6.1004  
6.1005  
6.1006  
6.1007  
6.1008  
6.1009  
6.1010  
6.1011  
6.1012  
6.1013  
6.1014  
6.1015  
6.1016  
6.1017  
6.1018  
6.1019  
6.1020  
6.1021  
6.1022  
6.1023  
6.1024  
6.1025  
6.1026  
6.1027  
6.1028  
6.1029  
6.1030  
6.1031  
6.1032  
6.1033  
6.1034  
6.1035  
6.1036  
6.1037  
6.1038  
6.1039  
6.1040  
6.1041  
6.1042  
6.1043  
6.1044  
6.1045  
6.1046  
6.1047  
6.1048  
6.1049  
6.1050  
6.1051  
6.1052  
6.1053  
6.1054  
6.1055  
6.1056  
6.1057  
6.1058  
6.1059  
6.1060  
6.1061  
6.1062  
6.1063  
6.1064  
6.1065  
6.1066  
6.1067  
6.1068  
6.1069  
6.1070  
6.1071  
6.1072  
6.1073  
6.1074  
6.1075  
6.1076  
6.1077  
6.1078  
6.1079  
6.1080  
6.1081  
6.1082  
6.1083  
6.1084  
6.1085  
6.1086  
6.1087  
6.1088  
6.1089  
6.1090  
6.1091  
6.1092  
6.1093  
6.1094  
6.1095  
6.1096  
6.1097  
6.1098  
6.1099  
6.1100  
6.1101  
6.1102  
6.1103  
6.1104  
6.1105  
6.1106  
6.1107  
6.1108  
6.1109  
6.1110  
6.1111  
6.1112  
6.1113  
6.1114  
6.1115  
6.1116  
6.1117  
6.1118  
6.1119  
6.1120  
6.1121  
6.1122  
6.1123  
6



# BARNESIDE



## JULEOPPGÅVE:

Skjulte namn. Leit loddrett, vannrett og på skrå. Orda er henta frå juleevangeliet. Set ring rundt svara.

F	E	N	G	E	L	E	N
G	R	B	Y	N	U	G	A
J	G	E	J	H	K	L	T
Æ	T	T	L	O	A	E	T
T	F	L	Y	S	S	D	A
A	R	E	S	A	A	E	S
R	E	H	T	U	P	R	F
A	D	E	E	E	Æ	E	R
R	O	M	A	R	I	A	K

Hei!

Greier du å finna orda? Send svaret til Reidun Skurtveit, 5270 VAKSDAL, innan 1. febr. 87. Då vert du med i trekninga om ein premie.

~~~  
EG ONSKJER  
ALLE EI GOD  
JULEHELG!

Helsing  
Reidun Skurtveit.



## GUDS GÅVE

No er det ikkje lenge til jul! Du er sikkert spent på kva du får. Kanskje har du ønskt deg noko spesielt.  
Har du tenkt på at Gud har gjeve oss ei julegåve? Han gav oss Jesus - sin eigen son. "For så elskar Gud verda at han gav Son sin, den einborne, så kvar den som trur på han ikkje skal gå fortapt, men ha evig liv".  
Guds gåve til oss er den største av alle gåver.  
Når vi gjev ei gåve til nokon, håpar vi at dei som får ho tek imot. Gud ønskjer og at vi tek imot den gåva han har gjeve oss.  
Har du tatt imot Guds gåve?  
Høyr kva som står i Bibelen om dei som tar imot denne gåva:  
"Men alle som tek imot han (JESUS), dei gav han rett til å vera Guds barn, dei som trur på namnet hans."

## OM JULETREET

Mange av oss trur vel helst at det å ha juletreet er ein gammal skikk, på same måten som mange av dei andre juletradisjonane våre. Men juletreet er faktisk berre godt og vel 100 år i norsk miljø. Sjølv om det i lang tid har vore vanleg å pynte inne med grøne greiner og å strø hakka einer på golvet, er det ikkje truleg at juletreet er ei vidareføring av den skikken, skriv Olav Bø i boka "Vår norske jul".

Det er Tyskland som er retteheimstaden for bruken av juletreet i vår meinung. Skikken skriv seg frå brytingstida mellom katolisisme og protestantisme på 1500-talet. Protestantismen førte treet inn i heimane ut frå religiøse føremål. Det gjaldt om å gjera jul til ein fest i heimen, der Jesusbarnet var det sentrale. Gåvene kom frå han, og ikkje frå den katolske helgenen St. Nikolaus (jfr. Santa Claus og vår eigen julenis).

På slutten av 1700-talet kom skikken med dette treet til Skandinavia, og på 1800-talet var det spreidd til det meste av Europa og store delar av Amerika. Alle stader finn ein at det er borgarskapet som først aksepterer den nye moten. Lærarane og skulen gjorde mykje for at skikken så fort kunne spreia seg til alle lag i folket. Skulane tok til med julefestar og borna tok desse tradisjonane med heim. Slik høyrer vi også frå Vaksdal, at det først i dette hundreåret var juletreet i dei aller fleste heimar, og då særleg der det var born.

Julepynten var for det meste heimelaga papirpynt. Men handelsmennene har og sin del av æra for å ha spreidd juletreskikken. Dei kunne tilby julepynt av ulike slag, både varig pynt og søtsaker som kunne hengast på treet og etast når ein står framfor eit pynta og lysande juletre på julaftan.



Mange plassar vart juletreet møtt med religiøse motforestillingar. Ein tykte det var mest jamgodi med å dansa kring gullkalven dette at ein samlast kring eit pynta tre. Men då kan det vel vera godt å tenkja attende på årsaka til at juletreet vart tatt i bruk i heimane i Tyskland på 1700-talet: Nemleg å minnast Jesus.

I fleire generasjonar har det vore vanleg at far har henta juletreet i skogen nett før jul. Det vart sett i stova, pynta - og så tent sjølve julaftan.

Etter kvart som vi har fått meir pengar og mindre tid, og handelsstanden satsar meir og meir på julehandel, er mykje av dette endra. Dei fleste kjøper vel no eit juletre til temmelig høg meterpris, og dei færreste kan vel venta heilt til helga tar til før dei tener det. Og skal treet stå til trettand'dagen eller til tjuand'dagen?

Uansett korleis ein vel å gjera det: Jula er vel den absolutt mest tradisjonsrike tida vi har. Kvar heim har sine tradisjonar, som skal vera dei same frå år til år. Og alle må vel vedgå at det rører seg litt inni ein når ein står framfor eit pynta og lysande juletre på julaftan.

Tove Margrete

# 'Kyrkjelydseleven'

## SLÅR TIL

Ein KYRKJELYDSELEV er et kjekt, ung mense som tusler rundt og gjør litt forskjellig et helt år. Dette kalles praksis og er et ledd i utdannelsen ved Menighetsseminaret i Bergen.

Jeg er "kyrkjelydseleven" på Dale. Jeg jobber med bl.a. klubben i Moseshuset, søndagsskolen, konfirmanterne, speiderne, IKO's faseprogram. Og så tusler jeg litt rundt på Gamleheimen.  
Har du en oppgave - ta endelig kontakt!  
Og: Du må gjerne stikke innom for en prat og "nogo attåt" ... Jeg bor i Lia 21. Velkommen!

Hei, jeg er Rune, menighetselever som har kommet til Vaksdal for et år. Jeg er med og driver barnekoret, og er med i Fides og bibelgruppen. Har konfirmantgruppe og drar rundt på besøk til forskjellige i menigheten. Så dere er herved advart: Dere kan alle risikere å treffe på meg!  
Kom gjerne på besøk! Adressen er Trollkjelven. (Det lille blå huset nedenfor Gamlekoopen)



### TIDEN

flyr så fort -  
Dagene er omme  
for du får tid til å tenke deg om...  
Stopp! sier du  
IKKE ÅA!  
Men tiden er ikke din...  
Den går sakte, men sikkert  
Tidene flyter i vei  
på en elv av gjøremål  
og etterpå  
er det for sent  
å si at du har slost  
tiden bort -  
Den kommer aldri tilbake.

Lille My



## APROPOS JULESTRID OG JULEFRED

I ei mørk årstid er det vanskelig å holde humør og pågangsmot oppe. Advent er blitt julestrid. Hverdag har håpløse ingredienser: Bekymringer, ulykker, krig, sult, nød, elendighet..

I disse tider er det at vi nok en gang skal feire jul. Vi "klamrer oss fast" i det familie og nære venner kan gi av varme og kjærlighet. Vi murer oss inne, -redde for at hverdagen skal forstyrre julefreden.

Er julen blitt en virkelighetsflukt? Kanskje... - Likevel vet vi at; elendigheten er der hele tiden...

Juletida inneholder mange gode øyeblikk. Øyeblikkene er tida som aldri kommer tilbake. Du har dagen i dag. Ta var på den, nyt den og bruk den! - For andre, for verden, for framtida.

For: Vi har også ei framtid å strekke oss mot. Vi har håpet om at en dag skal vi få en ny himmel og ei ny jord. En dag skal det bare være rettferdighet, glede og fred.

Guds stemme til oss i julestrid og tilkjempa julefred lyder slik:

"For jeg vet hvilke tanker jeg har med dere, fredstanker og ikke ulykkestanker. Jeg vil gi dere fremtid og håp." Jer.



Husk èn ting: Ta vare på hverandre! Lite er viktigere enn det å være et medmenneske som bryr seg!

- MARITAMOR

## HEI, HEI...

lyder hilsenen fra meg midt i julestria.

Vi er vel slitne og trette nå etter hvert. -Ja, for slit og stress er vel nøkkelordene i denne tid om vi skal være ærlige? Men så lenge hygge er frukten av vårt strev, så er det vel fint? Men hva er det vi hygger oss over? Er det stemning? Er det budskapet?

Er alt som skal være der på plass? Julepynten? Når skal vi sette opp juletreet? Uteblir snøen, er det vel ingen skikkelig jul? Alle julepresangene er vel kjøpt inn?

Er det ikke dette som blir det vesentlige i julen for mange?

Bibelen er ei bok som blir tatt fram i denne tiden, om ikke av oss selv så i alle fall av presten. Og det er blitt kamp om plassen i kirkjen julaften flere steder. Da leses det fra Bibelen, og det er et budskap en må ha fått med seg for at det skal være skikkelig jul.

Vi kristne, ofte når vi leser i Bibelen, så leser vi et skriftsted som handler om trøst når vi er triste, et skriftsted om glede når vi er glade og vi forblir det, og et skriftsted om fred når vi er rastløse.

Ja, hvor skjønt klinger ikke et rett ord fra Herren til rett tid?

Men har vi ikke lett for å forbinde kristentroen med våre følelser på den måten?

Er det ikke det som så ofte skjer i kirken julaften? At det hele bare er noe som må til om det skal føles at nå er det jul?

Så er jeg nysgjerrig. Hva er det vi hygger oss over? Er det en stemning, eller er det budskapet? Ja, jeg er nysgjerrig, for dette budskap er det største budskap et menneske kan høre; og det er dette budskap jeg vil hilse dere med:

SE, JOMFRUEN SKAL BLI MED BARN OG FØDE EN SØNN OG DE SKAL GI HAM NAVNET IMMANUEL - DET BETYR "GUD MED OSS". OG DETTE VAR JESUS VÅR FRELSER.

Rune  
Simonsen

## Vi noterer oss ....

### JULEGÅVETIPS

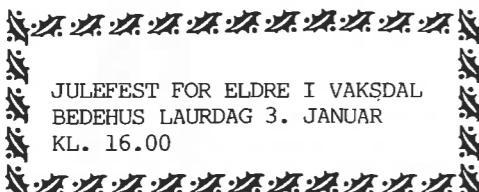
DEN NYE SALMEBOKA ER NO I HANDELEN ATT, ETTER Å HA VORE UTSOLD SIDAN I SOMMAR.

### Nytt utstyr i Stamnes kyrkje

Høgtalaranlegget i Stamnes kyrkje er no utbetra. Ein del nytt utstyr er sett inn, slik at lydartistihøva no er gode. Vaksdal og Dale kyrkjer treng og ei utbetring, og saka vert no teken opp i desse sokneråda.

### Nokon å tala med

Juletida kan vera ei tung tid for mange. Det er ikkje lett å ha det vanskelig når alle andre er glade! Dessutan er det jo ei tung og mørk tid på året. Vi som er prestar, vil gjerne seia at du er velkommen dersom du treng nokon å tale med!



### Juleverkstad for born - Vaksdal

Den tradisjonelle juleverkstaden i bedehuset på Vaksdal vert i år laurdag 13. des. frå 10.00 til 14.00.

Kva er juleverkstad? - Det er ein stad der me arbeider med julepynt og gaver. Song, andakt og matpause høyrer og med. Føremålet er lå førebu julen på rett måte.

Verkstaden er open for alle born, dei aller minste bør ha ein vaksen med seg.

Vel møtt til ein hyggjeleg arbeidsdag!

Arr. Nordhordl. Indremisjon barne- og ungdomsarbeid.

### Barnekoret i Vaksdal



Her ser vi det nystarta barnekoret i Vaksdal. Dei øver i kyrkja kvar fredag kl 16.30. Det er god plass til fleire, så alle som er i skulealder er velkomne.

## *Det tause skriket*

Kva er ein abort?

Filmen som vart synt på Dale ungdomsskule 14. november, gav eit tydeleg og rystande svar på dette. Den inneholdt mellom anna eit autentisk filmopptak, teken med ultralyd, av eit barn i mors liv som vart abortert. Vi såg korleis barnet reagerte då instrumenta vart ført inn. Og ingen kuhne vera i tvil om at vi såg eit levande menneske.

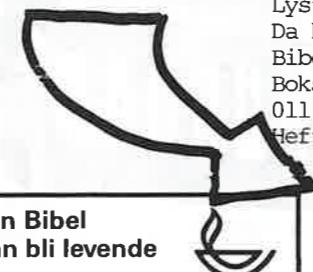
I samtalen etterpå vart det understreka kor viktig det er at vi hjelper kvarandre til å sjå kva ein abort i røynda er. At vi nyttar ord som ikkje dekkjer over realitetane: At det er tale om å ta liv.

KANO

Vi gjengir her et lite avsnitt fra "Startnøkkelen". Det er en bibelleseplan for aldersgruppen 8-10 år. Heftet har stoff for 3 måneder og har masse oppgaver, rebuser og kryssord. Lyst til å prøve?

Da kan du bestille heftet hos Bibelleseringen, Boks 1527 Vika, 0117 OSLO 1. Heftet koster kr. 20 pluss porto

### Startnøkkelen



#### Din Bibel kan bli levende

Synes du Bibelen virker tung og vanskelig. Vet du ikke hva du skal lese? Prøver du å lese «hele Bibelen», men må gi opp? Blir det helst med «de gode» versene, og lite plan og system?

#### Bibelleseringen kan hjelpe deg!

Bibelleseplaner med kommentar. «Nøkler» for barn, ungdom og voksne. Skriv etter brosjyre og gratis prøvehefte. Bibelleseringen, Boks 1527 Vika, 0117 OSLO 1. Tlf. 02 - 20 16 14.

#### 56. dag

Apgj 17, 16-21



Folk i Aten hadde mange guder, men de var redd for at de hadde glemt én. Derfor bygget de et alter til ham, så han ikke skulle bli sint. Dette alteret var det Paulus så.

**Bønn:** Kjære Gud. Jeg vil be for alle som ikke kjenner deg, men som tilber guder de selv har laget. La de få høre om deg og bli glad i deg. Amen.

## AAN rådgjeving for gravide

Dei som går med born og er i ein vanskeleg situasjon, kan no få hjelp ved eit nystarta kontor i Bergen. AAN tyder "Alternativ til abort, Norge." Dei gjev rådgjeving og praktisk hjelp. Adressa er Strandgaten 6. Telefon 32 56 77



Noen ord er skrevet bakfra.  
Paulus fortalte folk i Aten at den sanne Gud er erreh revo lemmih go droj

v. 24  
Han rah tpaks nedrev

v. 24  
Han gir ella ednå go vil og ella gnit.

v. 25

## STOR KYRKJEHELG



Bente Tyssen og Dale Mannskor i Nesheim kyrkje

Sundag 16. november var det storhelg for kyrkjene i Eksingedalen. Både Flatekval og Nesheim kyrkjer fekk vigsla dei nye orgela sine. Og i det behagelege haustveret møtte folket i dalen manjamnt fram. Kyrkja på Flatekval var fullsettet då høgtida tok til med inngangsprelidum av Frode Raymund Vik. Gudstenesta vart forretta av sokneprest Meidell, med preike av prost Østtvit, og etter preika vart den høgtidelege vigslinga føreteken av prost Østtvit. Under gudstenesta var det song og musikkinnslag av gjestande Dale Mannskor og Lars Ragnvaldsen. Av dalen sine eigne krefter deltok Bente Tyssen og Asbjørn Nese.

Som avslutning på samveret i "Ljosheim" minna prost Østtvit om at gode og tenlege orgel skulle vera eit hjelpemiddel til å bera fram den takk og lovsong som tilkjem Jesus som vår Herre og Frelsar.

Etter samveret i "Ljosheim" gjekk så turen til Nesheim for å vigsle orglet der. Her var det den unge orgellevane Jon Straume som innleida høgtida med prelidum. Dale Mannskor og dei andre musikar-kreftene var trufast med dagen til ende og gav oss fleire nummer med høgverdig musikk.

Sokneprest Meidell hadde både liturgi og preike her, medan vigslinga vart føreteken av prost Østtvit.

## I EKSINGEDELEN



Blomstertakk fra kyrkjelydane i Eksingedalen til orgellevane Frode Raymund Vik og Jon Straume

### Nesheim sokneråd



Frå venstre: Gunnar Jarle Nesheim, sokneprest Meidell, Asbjørn Nese, Anny Gullbrå og Anny Ekse

Etter vigslinga i kyrkja bad sokneråda inn til festsamver i "Ljosheim", der folk bænk seg kring velduka bord. Og etter god mat og kaffi vart det helsings- og takketalar. Kommunen fekk ros for romsleg og rask sakshandsaming, fabrikken som har levert orgela, vart rosa for gode og høvelege instrument. Rettkomne lovord vanka det til organistane Ragnvaldsen og Nese for deira innsats for å skaffa kyrkjene nye orgel. Og innsatsen til bygdefolket må heller ikkje gløymast, det har frå bygda vore samla inn omlag ein tredjedel av innkjøpsprisen for orgela.

I ei slik høgtid med mykje song og musikk merka me oss med særsklid interesse dei to unge orgellevane Frode Raymund Vik og Jon Straume. Dei ferdigheitene desse to viste, gjev oss voner for at me også i framtida vil ha dugande kyrkjemusikarar i Vaksdal.

Johan J. Gullbrå

Når vi tek ein prat med soknerådsformannen, Asbjørn Nese, etter at orgellet er vigsle, er han fornøgd og svært glad for det nye instrumentet og for at alt har gått så bra. Arbeidet for å få hytt orgel har vore hovudoppgåva vår i år, seier han. Og no står det der altså, - fullfinansiert og nett tatt i bruk.

Elles går mykje av tida med til å gjera rutinearbeid, menge saker skal handsamast, og det er soknerådet som har det praktiske ansvaret for kyrkja.

Vi tok del i den store TV-innsamlingsaksjonen i haušt. Og no arbeider vi med tripp-trapp, og diskuterer kva vi skal gjera med det.

## TV-aksjonsleiinga seier: TAKK FOR SAMARBEID

Mange arbeidstimer ligg bak dei millionane som årets TV-innsamling fekk inn. Ei rad med innslag i lokalmiljøa har gjeve fleire nordmenn innblikk i forholda i Asia, Afrika og Latin-Amerika.

Årets TV-aksjon er resultat av samarbeid! Vi i aksjonsleiinga hadde våre oppgåver. Dei har det vore inspirerande å gå laus på i møte med den innsatsen vi frå første stund merka hos dykk som har vore aktive på "grasrota".

Når vi no er komne i mål, kjenner vi trøng til å seie et mangestemt takk! Takk til alle dykk som har vore komitémedlemmer eller bøsseberarar. Dykk som har stått på stand, selt u-landsvarer, sett opp plakatar, fortalt om TV-aksjonen på store og små samlingar eller teke med elevar til den 3. verda gjennom undervisningsmaterialet.

Og sist, men ikkje minst; Takk til alle dykk som åpna dører og lommebøker for innsamlarane. Utan dykk var det ikkje mogeleg for oss å gi "Hjelp utan grenser". Vi har som mål å bruke pengane i samarbeid med menneske i den 3. verda. Då gjer vi slik Paulus oppmoda då han ba oss vere "Guds medarbeidarar".

Hilsen  
Jan A. Erichsen  
generalsekretær

## OPEN SAMTALEGRUPPE

5. JANUAR 1987: EIDLSTAD, SAKRISTIET I KYRKJA

ME VENTAR PÅ DEG. TA GJERNE MED NOKRE GODE VENER



Det samla beløpet som vart send frå Vaksdal kommune i år var kr. 157.935,30  
Takk for flott innsats frå både innsamlarar og gjevarar. Vi sette ny rekord i år!



Dette biletet syner standen som soknerådet på Vaksdal hadde på Vaksdal Senter dagen før innsamlinga. Mykje over 200 fekk smaka sudanesisk mat, og endå fleire var bortom borda for å sjå og høre kva som gjekk føre seg.

## AFRIKABREV

Takk for den siste tida eg fekk aman med mange av dykk før eg reiste til Kenya.

Siste dagane i februar i år kom eg gang i arbeidet. Misjonsstasjonen Chesta ligg ved den store øiro-sletta I Vest-Pokot, vest i landet, ca 1100 m.o.h. Bak stasjonen ruar fjella. No om dagane varierar temperaturane mellom 22 og 35 grader C. herlig svalt ved 25-26 gradar!

Pokot-folket livnærer seg som børr i fjella eller halvnomadar ute på detta. Menge er iferd med å busetja g meir fast. Er mest naturalhusldning, men pengehushaldninga er påg inn. Dei dyrkar mais, hirse, børr og har sine (ofte store) ku-, gei- og saudeflokkar. Fleirtalet av den ksne befolkninga har ikkje gått påule. Frå 1980 vart det innført oblitatorisk skulegang i denne delen av landet.

Me er to norske sjukepleiarar med ar vår nasjonale medhjelpar her i esta. Arbeidet er forebyggjande/aktivitet behandling, mor/barn-klinikk og sekontroll av barn ved 9 skular. Etter eg kom har me kunna utvida arbeidet slik at ein av oss, den andre jukepleiarene, er 3-4 dagar i strekk ed 3 av skulane som er oppi fjella og ar vanleg klinikke der. Prøver å vera er en gang pr. mnd. Sjølv har eg anvaret for klinikken og det mobile arbeidet ut frå den. Gjennom dei daglege andaktene på klinikken og ute i distriktet når me ein del av dei som ikkje kjem til kyrkja/møtene.

Elles er eg med i søndagsskulearbeidet og ved møta kringom. Sist veke var 175 barn samla frå 10 søndagsskular herikring til søndagsskulens dag!

For vel ein mnd. sidan hadde eg ei mor til svangerskapkontroll. Til mora sin store fortviling fortalte eg at det var tvillingar undervegs. I denne kulturen inneber det at mykje ofring og reinsingsseremoniar må til.

Frå gammalt av drap dei det eine barnet, noko ein del framleis gjer. Veka etterpå møtte eg henne på sjukhuset glad og takksam for to små velskapte guitar (det er antalet gutebarn som gjev status her). Men kva vil skje når ho kjem heim - vil "det gamle" sigra? Ho har gått litt på møta der ho bur, men har ho fått del i det frigjerande evangeliets bodskap?

Det er stort, men inga enkel oppgåve å få vera med og opna Bibelen for Pokot-folket. Dei har NT på Pokotspråket, og arbeidet med å omsetja GT er i gang. Mange av dei er kristne i 1. generasjon og treng mykje forbøn. Vil du vera med?

Verda treng Kristus, og Kristus treng deg,  
du som har funne den levande vegen.

Ynskjer dykk alle ei velsigna julehelg og eit godt nytt år.

Varm helsing frå Grethe Øpstebø.

Vi vil ta med Grethe sin adresse. Kanhende nokon vil sende henne nokre ord. Eit brev er ei god oppmuntring. Grethe Øpstebø, Chesta st.

P.O. Weiwei via Kapenguria  
Kenya



## Julen er Jesus

Hva er og betyr julehøytiden for meg - for deg? Hva er den livets mening med julens budskap for oss og i vår tid?

Ja, i en tid med forvirring og uro på mere enn én måte. Et budskap om glede og fred harmonerer det med det som mange, kanskje alle, opplever på de forskjellige måter og områder? Og - et blikk globalt, til de mange, mange som har den daglige nød i sitt liv og sine land.

Fred på jord? Paradoks, - Nei! Den fred som forkynnes for hyrdene julenatten, er og noe annet og merie enn verdens fred. Det er fred i hjertet og fred med Gud, på tross av, og midt i alt som er uro, både i oss og om oss.

Må julens budskap møte oss, den enkelte, slik Gud så gjerne vil. Julen er Jesus. En Frelser er født. Julen er Himmelens dør satt på gløtt!

Og Ingvar Hagberg sier det slik:



Ill. B. Bjørneboe

Julen er mere enn glitrende graner og skinnende sne!  
Julen er mere enn tilvante vaner og gang om et tre.  
Julen er Jesus, Guds enbårne sønn.  
Julen er himmelens svar på din bønn.  
Julen er Jesus.

Julen er mere enn krybben og stallen og leiet av halm.  
Julen er mere enn klokkenes kallen og klingende malm.  
Julen er Jesus, Guds sonofferlam, lammet som bar all vår skyld og vår skam.  
Julen er Jesus.

Julen er mere enn hellige minner om hyrder på vakt.  
Julen er mere enn stjerner som skinner i funkende prakt.  
Julen er Jesus! En frelser er født!  
Julen er himmelens dør satt på gløtt.  
Julen er Jesus.

Han er vår høytids innhold og kjerne og dyreste skatt!  
Han er den eneste lysende stjerne i tidenes natt.  
Jesus er trøsten for slekter som blør.  
Jesus er håpet for meg når jeg dør.  
Jesus alene.

Johanne Stanghelle



UTDELING AV MI KYRKJEBOK TIL 4-ÅRINGAR I VAKSDAL KYRKJE

## EI ANNLEIS JULEGÅVE?



Dåpsring for heimane kan no tilby dei fyrste pakkane i serien tripp - trapp, med hjelptil oppsæding av barna.

Ein kan abbonera for eit barn på denne serien, -for sitt eige barn eller til dømes eit ein er fadder for. Kanhende dette er ein god idé til julegåve frå deg?

### FAKTA OM TRIPP TRAPP

- \* Det er eit abonnementssopplegg.
- \* Medlemsskap kostar kr 300 pr. år.
- \* Medlemsskap kan teiknast allereide når barnet er nyfødt.
- \* Barnet får tre pakkar i året (fyrste pakka ved 4 mndrs alder). Innhaldet i pakkane er nøyne tilpassa barnet sin alder.
- \* Foreldrevegleiing i kvar pakke.
- \* 3-5 ting til barnet i kvar pakke, t.d. bøker, kassettar, leikar, julekrybbe, formingssaker o.s.b.
- \* Materiellet finst i både målformer.

Enno er ikkje heile systemet ferdig utbygd. No er materiellet for gruppe 0-1 år og 3-4 år ferdig.

### NÅR KAN BARNET MITT VERTA MEDLEM ?

| BORN FØDDE                      | KAN VERTA MEDLEM                     |
|---------------------------------|--------------------------------------|
| juli 1986 el.<br>seinare        | f.o.m. nov. 1986                     |
| 1. jan. 1984 -<br>30. juni 1986 | f.o.m. jan. det<br>året dei fyller 4 |
| 1983                            | f.o.m. jan. 1987                     |

Ein kan få nærmere opplysningar og brosjyre med påmeldingsslip på prestekontora.

### OM TRIPP TRAPP

Vibeke Sæther (førskolelærer, programsekretær i NRK/Fjernsynet): "Endelig er det et tilbud, en foreldreskole, hvor mor og far og de som står nær barnet, kan få materiale, hjelptil oppsæding til en av livets viktigste oppgaver: oppdragelsen av et menneske."

Oddbjørn Evenshaug og Dag Hallen (undersiser ved Pedagogisk forskningsinst. på Universitetet i Oslo):

"Ingen er bedre egnet til å oppdra barn enn nettopp barnets foreldre. Foreldrene må få hjelptil å støle på seg selv og sin sunne fornuft. Gjennom foreldreveiledningene i tripp-trapp-pakkene vil vi være med å gi slik hjelptil."

Brit Maria H. Austad (redaktør i HD-forlaget, adjunkt med lang undervisningserfaring):

"Noe av det det som er viktigst for meg i arbeidet med tripp-trapp-pakkene, er at hele verden er Guds verden. Derfor skiller vi ikke mellom en kristelig og en ikke-kristelig del av livet. Vi håper materiellet vårt vil hjelpe foreldrene til å bli like trygge på å bli til Gud sammen med barna som å lese eventyr for dem. Barna trenger at vi gjør begge deler."

## NY KONTORASSISTENT

I. november byrja det ein ny kontorassistent på prestekontoret på Dale.

Vi vil seia takk til Karin Johanne Berge Rosvold for alt det arbeidet ho har lagt ned på dette kontoret!

Og vi ynskjer Reidun Takvam velkommen og lukke til i tenesta! Mange vil vel kjenna Reidun frå før, for ho har vikariert på kontoret tidlegare. Reidun vert å treffa på kontoret om føremiddagen mandag, onsdag og fredag. Måndagane har ho fast kontortid kl. 10-13.



## VALG!

I vår barndoms og ungdoms tid var et valg ikke så mye påaktet, så ofte gikk nok valgdagen forbi uten deltagelse. I dag er det med iver å glød for å finne de som er skikket til å styre vårt samfunn.

Men det er et annet valg som ingen kan unndra seg for å delta i, og det er ikke bare for en periode men selve evigheten. Jeg hørte et vidnesbyrd i sommer på Sørlandet, som jeg sent vil glemme. Det var slik: "Der var to som stemte på meg for begge ville ha meg. Det var Gud og Djedelen. Men så hadde jeg også stemmerett. Så la jeg min stemmeseddelen i uren som tilhørte Gud. Da fikk Gud flertall, og dermed hørte jeg ham til." Det høres nokså enkelt ut, men slik er det.

I Josva 24,15 lærer vi: "Velg i dag hvem dere vil tjene!" Men selv sier han: "Jeg og mitt hus, vi vil tjene Herren."

Her er hver ansvarlig for sitt valg, ingen kan pålegge det en annen. Derfor, du som leser disse linjer, tenk alvorlig i hvilken urne du har lagt din stemmeseddel. I Matt.7,14 står det at der er få som finner den smale vegen til livet, men mange den brede til fortapelsen. "Hvor ormen ikke dør, og ilden ikke slukkes" Jes. 66,24. O alvorsfulle ord!

Velg i dag hvem du vil tjene mørkets første eller ham. I dette valg er du alene. Velg i dag Guds offerlam!

John Støle

**KIRKEENS SOS**

Er du i en vanskelig situasjon og har behov for noen å snakke med? Ring 23 30 80. Åpent hver dag fra kl. 19.00 til 07.00

## Frå kyrkjebøkene

### Døypte



#### DALE

- 28.09 Anette Steinsland
- 12.10 Aina Terese Olsnes
- 12.10 Monica Holme
- 12.10 Andreas Søvik Fosmark
- 26.10 Eirik Rønhovde Andersen
- 26.10 Stine Irene Faugstad
- 26.10 Rose Kristin Dalseid

#### STAMNES

- 12.10 Ole Johnny Carlsen
- 2.11 Eirik Straume Normann
- 2.11 Ole Christian Tøsse

#### EIDSLAND

- 2.11 Winnie Bolstad Eikefet

#### VAKSDAL

- 19.10. Fredrick Sandboe
- 19.10. Bo Daniel Rolland
- 16.11. Arne Rugeldal Sandven
- 16.11. Hege Erstad

### Vigde



#### DALE

- 10.10 Geir Hellite og Irene Stanghelle Hvidsten
- 24.10 Leif Indrebø og Arnhild Johnsen

...at dei må halda  
trufast saman og hjelpa  
kvarandre fram mot det  
evige livet.

### Avlidne



#### VAKSDAL

- 5.11. Margrethe Bjørsvik f.1907
- 8.11. Nils Trettenes f.1899

#### DALE

- 2.10 Johanna Hesjedal
- 7.10 Synnøve Rolland
- 26.10 Mathilde Hesjedal
- 26.10 Gjertrud Vatle

...at me må læra å  
telja våre dagar, så me  
kan få visdom i hjarta.

PREIKELISTE FOR VAKSDAL PRESTEGJELD 1.JAN.- 5.APRIL

|          | STANGHELLE                      | DALE             | VAKSDAL                        | STAMNES                        | EIDLSDAL         | EKSINGEDAL       | NESHEIM          | BERGSDAL             |
|----------|---------------------------------|------------------|--------------------------------|--------------------------------|------------------|------------------|------------------|----------------------|
| JAN. 1.  |                                 |                  | M.kl.11.00<br>n.               |                                |                  |                  |                  | N.kl.11.00<br>nattv. |
| 4.       |                                 |                  |                                |                                |                  |                  | N.kl.11.00<br>n. |                      |
| 11.      |                                 |                  | M.kl.11.00<br>n.               |                                |                  |                  |                  |                      |
| 18.      |                                 |                  |                                | M.kl.11.00<br>n.               | N.kl.11.00<br>n. |                  |                  |                      |
| 25.      |                                 |                  |                                |                                | M.kl.11.00<br>n. | N.kl.11.00<br>n. |                  |                      |
| FEBR. 1. |                                 |                  | N.kl.11.00<br>Fam.gudst.<br>n. | N.kl.18.00<br>Fam.gudst.<br>n. |                  |                  |                  | M.kl.11.00<br>n.     |
| 8.       | N.kl.11.00<br>n.                |                  |                                | M.kl.11.00<br>n.               |                  |                  | M.kl.16.00<br>n. |                      |
| 15.      |                                 | M.kl.11.00<br>n. | N.kl.11.00<br>Fam.gudst.<br>n. |                                |                  |                  |                  |                      |
| 22.      |                                 |                  |                                | N.kl.11.00<br>n.               | M.kl.11.00<br>n. |                  |                  |                      |
| MARS 1.  |                                 |                  |                                | N.kl.19.00<br>n.               |                  |                  |                  | N.kl.11.00<br>n.     |
| 4.       | M.kl.19.30<br>Fasteguds.<br>n.  |                  |                                |                                |                  |                  |                  |                      |
| 8.       |                                 |                  | M.kl.18.00<br>n.               |                                |                  |                  | M.kl.11.00<br>n. |                      |
| 15.      | N.kl.11.00                      |                  | M.kl.11.00<br>n.               |                                |                  |                  |                  |                      |
| 22.      |                                 |                  | N.kl.11.00<br>n.               | M.kl.11.00                     |                  |                  |                  |                      |
| 27.      | M.kl.19.00<br>Fastegudst.<br>n. |                  |                                |                                |                  |                  |                  |                      |
| 29.      |                                 | N.kl.19.00<br>n. |                                |                                | N.kl.11.00<br>n. |                  | M.kl.11.00<br>n. |                      |
| APRIL 5. |                                 |                  | M.kl.11.00<br>n.               | N.kl.19.00<br>n.               |                  |                  | N.kl.11.00<br>n. |                      |

M = spr.Meidell

N = res.kap.Norum

n = nattverd

1.februar - Utdeling av "Vi går i kyrkja"  
til 1.kl. i Dale kyrkje.

15.februar - Bibeldagen

**VELKOMEN TIL KYRKJE**7.des. - 2.sundag i advent.NESHEIM kl.11.00 kl.11.00 v/rk.Norum.  
Offer til Dronning Mauds minne.STAMNES kl.11.00 v/sp.Meidell.  
Nattverd.Offer til Blå Kors.VAKSDAL kl.19.00 Lysmesse v/Norum.  
Offer til Den Indre Sjømannsmisjon  
og Den Norske Sjømannsmisjon.13.desember - laurdag.BERGSDALEN kl.16.00 Lysmesse  
v/sp.Meidell.Offer til soknerådsarb.STAMNES kl.17.00 Lysmesse m/jule-  
konsert v/rk.Norum.Offer til sokne-  
rådsarbeidet.14.des. - 3.sundag i advent.EKSINGEDELEN kl.16.00 Lysmesse m/jule-  
kons.v/Norum.Offer til Kirkens Nødhjelp.VAKSDAL kl.20.00 Julekonsert.v/Norum.  
Offer til Bjørgvin Bispedømmeråd.DALE kl.18.00 Julekonsert.andakt  
v/sp.Meidell.21.des. - 4.sundag i advent.EIDLSDAL kl.11.00 Gudst.m/julekonsert.  
v/sp.Meidell.Nattverd.DALE kl.11.00 V/rk.Norum.Nattverd.  
Offer til Bjørgvin Stiftssenter.24.des. - JulaftanNESHEIM kl.11.00 Fam.gudst.v/sp.Meidell.  
Offer til Misjon bak jernteppet.STAMNES kl.13.00 Fam.gudst.v/rk.Norum.  
Offer.DALE kl.15.00 og kl.16.00 Fam.gudst.  
v/sp.Meidell.Offer til Dale og Stang-  
helle sundagsskular.VAKSDAL kl.16.00 Fam.gudst.v/rk.Norum.  
Offer til Kirkens Nødhjelp.25.des. - 1.Juledag.VAKSDAL kl.11.00 Høgtidsgudsteneste  
v/rk.Norum.Nattverd.Offer til Det  
Norske Misjonsselskap.DALE kl.11.00 Høgtidsgudsteneste  
v/sp.Meidell.Offer til Menighets-  
fakultetet.26.des. - 2.Juledag.STAMNES kl.11.00 Høgtidsgudsteneste  
v/sp.Meidell.Nattverd.Offer til  
Misjon Bak Jernteppet.BERGSDALEN kl.11.00 Høgtidsgudsteneste  
v/rk.Norum.Nattverd.Offer til dronning  
Mauds Minne.EKSINGEDELEN kl.16.00 Høgtidsgudst.  
v/sp.Meidell.Nattverd.Offer til Redd  
Barna.28.des. - Sundag etter jul.EIDLSDAL kl.11.00 v/rk.Norum.Offer  
til Det Norske Misjonsselskap.GRØSVIK GRENDAHUS kl.11.00 v/sp.Meidell.31.des. - Nyårsaftan.DALE kl.23.15 Midnattsmesse v/Norum.STAMNES kl.23.15Midnattsmesse v/Meidell.1.Jan. - NyårsdagVAKSDAL kl.11.00 v/sp.Meidell.Nattverd.BERGSDALEN kl.11.00 v/rk.Norum.Nattverd.4.jan. - Kristi openberringssundag.NESHEIM kl.11.00 v/rk.Norum.Nattverd.11.jan.-1.sund.etter Kristi openberring.DALE kl.11.00 v/sp.Meidell.Nattverd.

forts. neste side

Preikeliste forts.

18. jan.-2.sund.etter Krist openberring.  
VAKSDAL kl.11.00 v/sp.Meidell.

STAMNES kl.11.00 vrk.Norum.Nattverd.

25. jan.-3.sund.etter Kristi openberring.  
EIDSLAND kl.11.00 v/sp.Meidell.Nattverd.  
EKSINGEDELEN kl.11.00 v/Norum.Nattverd.

1.febr.-4.sund.etter Kristi openberring.  
DALE kl.11.00 Fam.gudst. v/rk.Norum.  
Utdeling av "Vi går i kyrkjå til l.kl.  
BERGSDALEN kl.11.00 v/sp.Meidell.Nattv.  
VAKSDAL kl.18.00 v/rk.Norum.Nattverd.

8.febr.-Vingards-sundagen.

STAMNES kl.11.00 v/sp.Meidell.Nattverd.  
STANGHELLE kl.11.00 v/Norum.Nattverd.  
NESHEIM kl.16.00 v/sp.Meidell.Nattverd.

15.febr. - Såmanns-sundagen.  
DALE kl.11.00 v/sp.Meidell.Nattverd.  
Bibeldagen.  
VAKSDAL kl.11.00 Fam.gudst.v/rk.Norum.  
Bibeldagen.

22.febr.- Kristi forkлringsdag.  
EIDSLAND kl.11.00 v/rk.Norum.Nattverd.  
EKSINGEDELEN kl.11.00 v/Meidell.Nattv.

1.mars-Sundag f r faste (Fastelavn).  
BERGSDALEN kl.11.00 v/Norum.Nattverd.  
STAMNES kl.19.00 v/rk.Norum.Nattverd.



#### SL  P  TR DEN

eller send meg nokre ord om du har  
 stoff til neste nummer.  
 Frist for innlevering av stoff  
 er 10. februar.

Tove Margrete

### Vaksdal prestegjeld

Sokneprest:  
 Inge Christian Meidell  
 tlf. 59 61 20

Res. kap.:  
 Kjell Arne Norum  
 tlf. 59 70 88

Hugs, m ndagen er presten sin  
 fridag!  
 Kontorassistenten kan treffast  
 p  kontoret p  Dale m ndagar  
 kl 10-13, tlf. 59 61 20

Utgjevar: Sokner da. Bladpengar: kr. 45,- (eller meir!)

Postgiro 5 72 34 73 Bankgiro 3500.50.13117

Bladstyrar: Tove Margrete Nordmark, Boge, 5270 Vaksdal, tlf. 597201

Kasserar: Asle Georg Karlsen, Boge, 5270 Vaksdal, tlf. 597232

Eksp. og trykk: Øystese Trykkeri A/S, 5610 Øystese, tlf. 05 - 555045

Retur til Øystese Trykkeri A/S, 5610 Øystese